Ques:- Describe the role of Guidance and counselling Services in Education.

Ans:- "आधुनिक युग में Guidance Services का प्रचलन काफी लोकप्रिय हो गया है। Guidance Services के तीन मुख्य क्षेत्र होते हैं। नाम से यह क्षेत्र भले ही भिन्न प्रतीत हों, लेकिन वास्तव में एक ही कड़ी से जुड़े होते हैं। मुख्यतः इनका उद्देश्य school और colleges के छात्रों का, जो किसी न किसी तरह की समस्या से घिरे रहते हैं, निर्देशन देना होता है। ऐसे निर्देशनों का लक्ष्य केवल समस्याओं का समाधान करना तथा महत्वपूर्ण निर्णयों तक पहुँचने में मात्र मदद पहुँचाना ही नहीं होता है, बल्कि व्यक्ति को सूझ और शक्ति से इस प्रकार लैस कर देना होता है, ताकि वह स्वतंत्र रूप से बिना किसी सहायता के ही अपने आप को निर्देशित कर सके और वातावरण के साथ समुचित अभियोजन कर सके।

Guidance Services के तीन मुख्य areas बताए गए हैं :—

① Vocational Guidance.
② Educational Guidance.
③ Personal Guidance.

Vocational Guidance को परिभाषित करते हुए कहा जाता है — "Vocational Guidance deals with the problem of helping a person chose a job, prepare for it, inter upon and progress in it." 1914 में हुए N.V.O की बैठक में इसे परिभाषित करते हुए यह कहा गया कि Vocational Guidance, व्यक्ति को पेशा के चुनाव करने तथा अपनी मरमक क्षमताओं के साथ उसमें प्रगति करने तथा रोज़गार के नए-नए अवसर दिलाने जैसी समस्याओं के समाधान में व्यक्ति को सहायता पहुँचाने की प्रक्रिया है। कभी-कभी इस प्रक्रिया को "Inserting round pegs into

करने में मदद की जाती। U.S.A. वर्तमान Elementary School से लेकर Colleges तक ऐसी निर्देशन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। 1918 में National Education Association ने इसे define करते हुए लिखा है —

" Educational guidance is concerned with the assistance given to pupils in their choices and adjustments with relation to schools curriculum, courses and school life"

शैक्षणिक निर्देशन छात्रों को उनके पाठ्यक्रम का चुनाव करने, उपयुक्त अध्ययन विधि का निर्धारण करने, पसंद के लायक संस्थाओं का चुनाव करने, qualitative पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी देने आदि में मदद पहुँचाता है। शिक्षा के कई प्रमुख उद्देश्य होते हैं —

① आत्म निरूपण।

② मानव सम्बन्ध।

③ जन उत्तरदायित्व।

④ आर्थिक सुरक्षा।

निर्देशन का काम इन लक्ष्यों की प्राप्ति में सहयोग देना होता है। वह छात्रों को ऐसा मनोवैज्ञानिक वातावरण देता है जिसमें स्वतंत्र रूप से वे इन लक्ष्यों को सीख सकें।

Personal Guidance एक ऐसा area है, जो छात्रों के शैक्षणिक प्रगति के मार्ग में आने वाली बाधाओं से उन्हें छुटकारा दिलाने में मदद करता है। हर व्यक्ति की कुछ वैयक्तिक समस्याएं होती हैं जिन्हें वह दूसरों को कहना नहीं चाहता और फिर कुछ ऐसी समस्याएं होती हैं जिन्हें वह सबसे कहना चाहता है। भले ही इन समस्याओं का जैसा भी स्वरूप हो। हर निर्देशक इनके समाधान में मदद पहुँचाता है। मदद पहुँचाने का यह अर्थ नहीं कि वह स्वयं समाधान कर दे, बल्कि वह छात्र को ऐसा प्रशिक्षण देता है कि वह अपने आप

इस तरह हम यह पाते हैं कि आधुनिक शिक्षा में guidance and counselling programme का इतना अधिक स्थान हो गया है कि हर शिक्षक को मात्र शिक्षा देने के अलावा अंशतः यह कार्य भी नियमानुसार करना पड़ता है। तभी तो आज guidance और education को समान प्रक्रिया (identical process) माना जाने लगा है।